कृषि अनुसंधान केन्द्र, मंडोर, जोधपुर में आयोजित जिला स्तरीय किसान मेले में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की भागीदारी

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अधिकरण (आत्मा) परियोजना अन्तर्गत दिनांक 9/2/2016 को कृषि अनुसंधान केन्द्र, मण्डोर, जोधपुर में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं परियोजना निदेशक कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अधिकरण (आत्मा) के संयुक्त तत्वाधान में जिला स्तरीय किसान मेला आयोजित किया गया। इस मेले में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर की ओर से कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी भा.व.से, वैज्ञानिक-बी डॉ. बिलास सिंह एवं श्री महिपाल बिश्नोई, अनुसंधान सहायक ने भाग लिया।

किसान मेले में आफरी की तरफ से स्टॉल/प्रर्दशनी लगाकर संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों, उपलब्धियों एवं तकनीकों को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। शुष्क क्षेत्रों के लिए कृषि वानिकी उपज माडल्स, शुष्क क्षेत्रों के लिए शस्य चारागाह उपज माडल्स, टिब्बा स्थिरीकरण में सतही वनस्पतियों का उपयोग, हवा की गति कम करने हेतु सूक्ष्म अवरोधक संरचनाओं का उपयोग, नमक प्रभावित बंजर भूमि का पुनर्वास, जैव जल निकासी से जल भराव क्षेत्र का सुधार, जल प्रबंधन, वनीकरण में अपशिष्ट जल का उपयोग, सिंचाई जल प्रबंधन, उदग्म स्रोत परीक्षण, शुष्क एवं अर्धशुष्क क्षेत्रों में पाये जाने वाले औषधीयुक्त पौधों का सर्वेक्षण तथा कृषिकरण, गुग्गल पर नेटवर्क परियोजना, वर्धित अविनाशकारी गम उत्पादन पद्धति का विकास, कृषि भूमि पर वानिकी परीक्षण, कोमिफोरा वाइटी - प्रबंधन, बीज द्वारा प्रवर्धन, कलम द्वारा प्रवर्धन, रतनजोत-भविष्य का ईधन,

वनों से लाभ एवं पोषक तत्वो की कमी, इत्यादी विषयों से संबंधित जानकारियों/सूचनाओं को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। किसानों को वानिकी बीजों की जानकारी हो इस हेतु विभिन्न प्रकार के वृक्ष एवं घास प्रजातियों के बीज भी प्रदर्शित किये गये। इसी तरह विभिन्न प्रकार की मिट्टियों का भी प्रदर्शन किया गया।

वृक्ष एवं अन्य वानिकी पादपों से प्राप्त होने वाले औषधीय उत्पादों सहित विभिन्न वन उत्पाद - देशी बबूल (*Acacia nilotica*), कुमट (*Acacia senegal*), गुग्गल (*Commiphora wightii*), सलाई गुग्गल (*Boswellia serreta*), धोंक (*Anogeissus pendula*) के गोंद, शतावरी (*Asparagus racemosus*), सफेद मूसली (*Chlorophylum borivillianum*), अश्वगंधा (*Withania somnifera*) की जड़ें (roots), नीम (*Azadirachta indica*), करंज (*Pongamia pinnata*) के तेल, अरीठा (*Sapindus mukorosii*) के फूल, सोनामुखी (*Cassia augustifolia*) के पत्ते, रतनजोत (*Jatropha curcus*), सोनामुखी (*Cassia augustifolia*) के बीज आदि का भी प्रदर्शन किया गया ताकि इन उत्पादों की जानकारी आग़न्तुकों को मिल सके।

संस्थान की प्रायोगिक पोधशाला में तैयार रोहिड़ा (*Tecomella undulata*), कुमट (*Acacia senegal*), नीम (*Azadirachta indica*), खारी जाल (*Salvadora persica*), खेजड़ी (*Prosopis cinereria*), रूद्राक्ष (*Eleocarpus ganitrus*), अमलतास (*Cassia fistula*), बादाम (*Terminalia catappa*), अर्जुन (*Terminalia arjuna*), बेल पत्र (*Aegle marmelos*), सेमल (*Bombax ceiba*), शीशम (*Dalbergia sisoo*), इत्यादि पौधों को रूट ट्रेनर बाक्स में प्रदर्शित किया गया। इनके अलावा काली तुलसी एवं कपूर तुलसी (*Ocimum species*), अश्वगंधा (*Withania somnifera*), हड्डी जोड़ (*Cissus quadrangularis*), जीवंति (*Laptadinia raticulata*), चिरमी

(*Abrus precatorius*), मरवा (*Origanum majorana*), भृंगराज (*Ecliptsa alba*), हारसिंगार (*Nyctanthes arbor-tristis*), अडूसा (*Adhatoda vasica*), सतावर (*Asparagus racemosus*), गुड़मार (*Gymnema sylvestre*), नरगुंडी (*Vitex negundo*), गिलॉय (*Tinospora cordifolia*), सफेद मूसली (*Chlorophylum borivillianum*) इत्यादि के पौधों को भी प्रदर्शित किया गया

श्री उमाराम चौधरी ने स्टॉल पर आग़न्तुक किसानों एवं अन्य आग़न्तुको को कृषि वानिकी माडल्स एवं कृषि वानिकी में खेजड़ी जैसे वृक्षों को पनपाने, चारागाह विकसित करने, कृषि वानिकी में औषधियों एवं उपयुक्त पौधों को पनपाने तथा इससे होने वाली आमदनी तथा पर्यावरण संरक्षण सहित टिब्बा स्थिरीकरण एवं वनों के उत्पाद आदि विषयों से संबंधित जानकारी दी।

डॉ. बिलास सिंह ने अनुसंधान गतिविधियों के वैज्ञानिक पहलुओं, भूमि को कैसे विकसित करें, खेतों में लगाने वाली प्रजातियों, उन्नत किस्म के पौधो को कहां से प्राप्त करे ?, आय बढ़ाने वाली कृषि वानिकी के तरीके इत्यादि विषयों की जानकारी दी। श्री महिपाल विश्नोई ने भी औषधीय पौधे लगाने, वनोत्पाद एवं अन्य प्रदर्शित सूचनाओं एवं सामग्री की जानकारी आग़न्तुको किसानों एवं अन्य आग़न्तुको को दी। स्टॉल पर किसानों एवं अन्य आग़न्तुको की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया है।

प्रदर्शनी में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान एवं इसकी अनुसंधान गतिविधियों से संबंधी सूचना पुस्तिका, माडॅल नर्सरी की स्थापना, कृषि वानिकी के विविध लाभ,

के फोल्डर एवं विभिन्न औषधीय प्रजातियों इत्यादि से संबंधित पर्चे भी वितरित किए गये। स्टॉल एवं प्रदर्शनी के संचालन एवं देखरेख में श्री तेजाराम का सहयोग रहा।